कोतरा विद्युत सब स्टेशन के वेयरहाउस में लगी भीषण आग पर कुछ घंटों में ही पाया काबू

12 से अधिक फायर ब्रिगेड की गाड़ियों से आग पर पाया गया काबू, 200 लोगों से अधिक की टीम आग बुझाने में लगी रही

- कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने घटनास्थल पर मौजूद रहकर संभाली राहत एवं बचाव कार्य की कमान
- पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल की अगुवाई में शहर के पूरे पुलिस बल ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए संभाला मोर्चा
- आग पर काबू पाने फायर ब्रिगेड के लिए नगर निगम ने बनाए 4 रिफिलिंग प्वाइंट
- इलेक्ट्रिक मटेरियल में आग लगने से बुझाने के लिए करनी पड़ी कड़ी मशक्कत
- वेयर हाउस से लगे गजानंदपुरम में सबसे पहले शुरू किया गया राहत एवं बचाव कार्य
- घटना से नहीं हुई किसी प्रकार की जनहानि
- नगर सेना की टीम फायर ब्रिगेड के साथ घटना स्थल पर स्टैंड बाय पर तैनात

रायगढ़

17 मार्च की सुबह कोतरा रोड स्थित सीएसपीडीसीएल के एरिया सब स्टेशन के वेयर हाउस में भीषण आग लग गई थी जिस पर कुछ घंटों की मेहनत के बाद काबू पा लिया गया। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने घटनास्थल पर मौजूद रहकर राहत एवं बचाव अभियान की कमान संभाली।

सोमवार 17 मार्च की सुबह 9.30 बजे कोतरा रोड के विद्युत सब स्टेशन में आग लग गई। यह आग वेयर हाउस में रखे गए ट्रांसफॉर्मर्स और इलेक्ट्रिक केबल में लगी थी। इसकी सूचना मिलते ही कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने पूरे प्रशासनिक अमले को अलर्ट करते हुए आग को काबू करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने शहर के सभी थानों से सुरक्षा बल को घटनास्थल पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुटने के निर्देश दिए।

नगर सेना और नगर निगम की टीमें फायर ब्रिगेड और वॉटर टैंकर के साथ वेयर हाउस में लगी आग बुझाने का काम शुरू किया। इसके साथ ही जिले के अन्य उद्योगों जेएसपीएल, जेएसडब्ल्यू, एनटीपीसी, अदानी, मोनेट से भी तत्काल फायर ब्रिगेड बुलवाए गए। कलेक्टर गोयल भी तत्काल घटनास्थल से लगे गजानंदपुरम कॉलोनी पहुंचे। रिहायशी इलाका होने के चलते जरूरी था कि यहां सबसे पहले सुरक्षा के इंतेजाम किए जाएं। वेयरहाउस की दीवार से लगे घरों को खाली कराया गया। लोगों को घरों से सिलेंडर निकालने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर गोयल और पुलिस अधीक्षक पटेल के नेतृत्व में पुलिस और प्रशासन की टीम यहां राहत एवं बचाव कार्य में लगे रहे। कॉलोनी की ओर से फायर ब्रिगेड के जरिए आग पर काबू पाया गया, जिससे आग आगे कॉलोनी की ओर न फैले। स्वास्थ्य विभाग की टीम को भी कॉलोनी और घटनास्थल पर एम्बुलेंस और जरूरी दवाओं के साथ तैनात रखा गया था। पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा के इंतेजाम सुनिश्चित किए जा रहे थे।

वेयर हाउस में आग बुझाने के लिए नगर सेना, उद्योगों के फायर ब्रिगेड और नगर निगम की टीम, सुरक्षा बल, सीएसपीडीसीएल सहित करीब 200 लोगों से अधिक की टीम लगी रही। जिला सेनानी बी. कुजूर ने बताया कि यहां करीब 12 फायर ब्रिगेड की गाडिय़ां आग बुझाने में जुटी थी। इसके अलावा जांजगीर, सक्ती, कोरबा और दुर्ग से भी दमकल की गाडिय़ां भी एहतियातन बुलवाई गई थी। हालांकि उनके पहुंचने से पहले रायगढ़ में मौजूद फायर ब्रिगेड की गाडिय़ों से आग पर काबू पा लिया गया था। चूंकि आग इलेक्ट्रिक मैटेरियल्स में लगी थी इसलिए पानी के साथ फोम का इस्तेमाल आग बुझाने में किया गया है। आग को नियंत्रित करने के बाद केबल्स को हटाकर भी आग बुझाया गया। इस घटना से किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय के साथ नगर निगम से करीब 70 लोगों की टीम जेसीबी और टैंकर्स के साथ जुटी हुई थी। जेसीबी से वेयर हाउस के कैंपस में फायर ब्रिगेड के आने-जाने के लिए दीवार को तोड़कर रास्ता बनाया गया। जिससे चारों ओर से आग पर काबू पाया जा सके। फायर बिग्रेड की गाडिय़ों में पानी भरने के लिए नगर निगम ने 4 रिफिलिंग प्वाइंट बनाए थे। वहीं होटल ट्रिनिटी ने भी पानी रिफिल करने में सहयोग प्रदान किया। जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम प्रवीण तिवारी व उनकी टीम ने उद्योगों और अन्य जिलों से आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की व्यवस्था के लिए समन्वय कर जरूरी इंतेजाम किए गए। वहीं नगर निगम के द्वारा आग बुझाने में लगे लोगों की सुरक्षा और स्वास्थ्य की दृष्टि से पेयजल, भोजन, नाश्ते और उनके रुकने सहित अन्य जरूरी इंतेजाम करवाया गया। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने शहर की सभी थानों के टीआई और स्टाफ को घटनास्थल और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगाया था। सीएसपी आकाश शुक्ला, डीएसपी साइबर अनिल विश्वकर्मा और डीएसपी मुख्यालय सुशांतो बनर्जी भी सुरक्षा व्यवस्था में लगे रहे। ट्रैफिक पुलिस और हाइवे पेट्रोलिंग की गाड़ी भी डीएसपी ट्रैफिक उत्तम प्रताप सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र में यातायात व्यवस्था संभालने और फायर ब्रिगेड को घटनास्थल तक पहुंचने में व्यवस्था बनाने में लगी हुई थी।

एसईसीएसपीडीसीएल मनीष तनेजा ने बताया कि वेयर हाउस में रखे गए फेल्ड ट्रांसफार्मर और इलेक्ट्रिक केबल में आग लगी है। उन्होंने बताया कि अभी के आंकलन में करीब 150 फेल्ड ट्रांसफार्मर आग लगने से नष्ट हुए हैं। जिला सेनानी बी.कुजूर ने बताया कि आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। केबल्स को हटाकर सुनिश्चित किया जा रहा है कि आग पूरी तरह से बुझ जाए। उन्होंने बताया कि आग पूरी तरह बुझने तक टीम यहां तैनात रहेगी और फायर ब्रिगेड को भी स्टैंड बाय पर रखा जाएगा।

महत्वपूर्ण एवं खास

सिपाही ने एसआई को मारी गोली, हुई मौत

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के खरोरा क्षेत्र के मुड़पार स्थित आईटीबीपी कैंप में एक सिपाही ने सब-इंस्पेक्टर (एसआई) को गोली मार दी, जिससे एसआई की मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने से कैंप में अफरा-तफरी मच गई और पूरा परिसर थम सा गया। घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है, और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि यह गोलीबारी सोमवार सुबह हुई, जब दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। घटना के बाद, कैंप में तैनात अन्य सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मदद की कोशिश की, लेकिन एसआई की जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और इस गोलीबारी के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक यह घटना किसी व्यक्तिगत विवाद या मानसिक तनाव के कारण हो सकती है लेकिन पुलिस हर पहलू की गहन जांच कर रही है।

एकलव्य आदर्श विद्यालय में छात्र की मौत, अधीक्षक निलंबित

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (आरएनएस)। जिले के एकलव्य आदर्श विद्यालय लाटा में निवासरत 9वीं के छात्र शिवम सिंह की असामयिक मौत होने के मामले में एकलव्य विद्यालय के अधीक्षक रामबिलास को निलंबित कर दिया गया है। सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर यह कार्रवाई की गई। मामले की जांच में अधीक्षक रामबिलास की लापरवाही के कारण छात्रावास में रहकर पढऩे वाले बालक शिवम सिंह की मौत होना पाया गया था। घटना से तीन दिन पहले से ही बच्चे की हालत ठीक नहीं थी। उसे खून की कमी भी थी। सही समय पर इलाज नहीं कराने के कारण उनकी मौत हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर आदिवासी विभाग गौरेला पेंड्रा मरवाही ने भी एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के अधीक्षक रामबिलास को लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित करने की अनुशंसा की थी। बच्चे के परिजनों ने भी अधीक्षक पर लापरवाही का आरोप लगाया था। जांच में भी लापरवाही पाए जाने पर छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति रायपुर ने एकलव्य विद्यालय के अधीक्ष पर निलंबन की कार्रवाई की है।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में प्लेसमेंट कैम्प 20 मार्च को, विभिन्न 128 पदों पर होगी भर्तियां

रायगढ़

निजी क्षेत्र की रिक्तियों में प्लेसमेंट को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 20 मार्च 2025 को समय प्रात: 10.30 बजे से स्थान-जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जिला रायगढ़ में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया है। जिसमें रिक्त विभिन्न 128 पदों पर भर्ती होगी। इच्छुक एवं योग्यताधारी आवेदक समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं रिज्यूम के साथ उपस्थित होकर प्लेसमेंट कैम्प में भाग ले सकते है। विस्तृत जानकारी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र रायगढ़ से प्राप्त की जा सकती है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मे.अदानी पावर लिमिटेड छोटे भंडार रायगढ़ में अप्रेन्टिसशिप के 9 पद, मे.मां मंगला इस्पात प्रा.लि. रायगढ़ में सीनियर फिटर (मैके.), वेल्डर एंड कटर, आरएमपी ऑपरेटर, शिफ्ट इंचार्ज (मैकेनिकल), इलेक्ट्रिशियन, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं कुक, मे.गोयल मोटोकॉर्प प्रा.लि.रायगढ़ में सेल्स हेड, एचआरए मैनेजर, फाइनेंस मैनेजर, एकाउंस मैनेजर, मार्केटिंग एंड इंस्टीट्यूशन मैनेजर, सेल्स टीम लीडर, ओल्ड कार एक्सचेंज मैनेजर, सेल्स कन्सल्टेंट, वर्कशॉप फ्लोर मैनेजर, वारंटी मैनेजर, मैकेनिक असिस्टेंट मैकेनिक, सर्विस एडवाईजर, कार ड्राईवर, मे.वेक्टर फायनेंस प्रा.लि.में कस्टमर रिलेशनशिप ऑफिसर (सीआरओ) एवं प्रोजेक्टर मैनेजर तथा मे.टैंगो सिक्युरिटी सर्विसेस प्रा. लिमि.रायपुर में सुरक्षा गार्ड एवं सुरक्षा सुपरवाईजर के पद रिक्त है।

दिव्यांगजनों का चिन्हांकन, मूल्यांकन तथा प्रमाणीकरण हेतु शिविर का आयोजन 21 मार्च से

- विकासखण्डवार 2-2 कलस्टरवार अलग-अलग तिथियों में होगा शिविर

रायगढ़

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधान एवं भारत सरकार के यूडीआईडी कार्ड परियोजना अंतर्गत कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में जिले के सभी 21 प्रकार के दिव्यांगजनों का चिन्हांकन, मूल्यांकन तथा प्रमाणीकरण हेतु शिविर समस्त विकासखण्डों में 2-2 कलस्टरवार शिविर का आयोजन किया जाना है। दिव्यांगजनों को शिविर में उपस्थित कराने हेतु तिथि, समय एवं स्थानों का चयन किया गया है। उक्त शिविर हेतु उप संचालक समाज कल्याण शिवशंकर पाण्डे मोबा. नं.75872-31121 को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

समाज कल्याण शाखा, रायगढ़ से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड धरमजयगढ़ अंतर्गत सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ में 21 मार्च एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कापू में 27 मार्च 2025 को शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह विकासखण्ड लैलूंगा अंतर्गत 28 मार्च को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लैलूंगा एवं 01 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुकडेगा, विकासखण्ड घरघोड़ा अंतर्गत 4 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुडुमकेला एवं 8 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घरघोड़ा, विकासखण्ड तमनार अंतर्गत 11 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तमनार एवं 15 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सराईपाली, विकासखण्ड पुसौर अंतर्गत 17 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पुसौर एवं 22 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बड़े भण्डार, विकासखण्ड खरसिया अंतर्गत 25 अप्रैल को सिविल अस्पताल खरसिया एवं 29 अप्रैल को उप स्वास्थ्य केन्द्र बर्रा तथा विकासखण्ड रायगढ़ अंतर्गत 2 मई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र महापल्ली एवं 6 मई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बायंग में शिविर का आयोजन होगा।

कक्षा 5 वीं गणित विषय की परीक्षा संपन्न : 17,356 परीक्षार्थी में 193 रहे अनुपस्थित

रायगढ़

केन्द्रीकृत परीक्षा 2025 अंतर्गत जिले में 17 मार्च को कक्षा 5 वीं गणित विषय की परीक्षा संपन्न हुई। परीक्षा में शामिल स्कूलों में हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों माध्यमों में 17 हजार 356 परीक्षार्थी संख्या दर्ज की गई थी। जिसमें से 17 हजार 163 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दिलाई। 193 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड धरमजयगढ़ में 3 हजार 998 परीक्षार्थी संख्या दर्ज की गई थी। जिसमें से 3 हजार 918 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दिलाई। 80 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह घरघोड़ा में 1 हजार 433 परीक्षार्थी संख्या दर्ज की गई थी। जिसमें से 1 हजार 417 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दिलाई। 16 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। खरसिया में 2 हजार 148 परीक्षार्थी संख्या दर्ज की गई थी। जिसमें से 2 हजार 134 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दिलाई। 14 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। लैलूंगा में 2 हजार 227 परीक्षार्थी संख्या दर्ज की गई थी। जिसमें से 2 हजार 217 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दिलाई। 10 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। पुसौर में 2 हजार 94 परीक्षार्थी संख्या दर्ज की गई थी। जिसमें से 2 हजार 78 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दिलाई। 16 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। रायगढ़ में 3 हजार 861 परीक्षार्थी संख्या दर्ज की गई थी। जिसमें से 3 हजार 814 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दिलाई। 47 परीक्षार्थी अनुपस्थित एवं तमनार 1 हजार 595 परीक्षार्थी संख्या दर्ज की गई थी। जिसमें से 1 हजार 585 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दिलाई। 10 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

कक्षा 10 वीं सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा संपन्न

12,469 परीक्षार्थी में 491 अनुपस्थित रहे

रायगढ़। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा-2025 कक्षा 10 वीं बोर्ड परीक्षा के तहत 17 मार्च को सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा संपन्न हुई। जिसमें 12 हजार 469 परीक्षार्थी संख्या दर्ज की गई थी। जिसमें से 11 हजार 978 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दिलाई। 491 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिले में कहीं भी नकल प्रकरण दर्ज नहीं किया गया है। परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो का कहर, 6 लोगों को कुचला, तीन की मौत

धमतरी | आरएनएस

जिले के दरबा गांव में एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो के चालक ने 6 लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में 3 ग्रामीणों की मौत हो गई तथा स्कॉर्पियो मालिक समेत 4 लोग घायल हुए हैं। वहीं हादसे के बाद स्कॉर्पियो ड्रायवर गाड़ी छोडक़र मौके से फरार हो गया है।

मिली जानकारी के अनुसार मामला बिरेझर चौकी क्षेत्र के दरबा गांव में एक स्कॉर्पियो वाहन के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सडक़ पर खड़े 6 लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया जहां इलाज के दौरान तीन लोगों भावेश साहू (21), गोलू यादव (24) और खिलेश्वर सपहा (20) की मौत हो गई है। वहीं डिगु यादव, पुष्कर निर्मलकर, नरेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गये जिनका अभनपुर अस्पताल में चल रहा है। ईधर इस हादसे के बाद स्कॉर्पियो चला रहा चालक मौके से फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक महीने के भीतर 8 ग्रामीणों की अचानक मौत, संकट टालने की गई पूजा अर्चना

गरियाबंद | आरएनएस

जिले के ग्राम फूलझर में बीते एक महीने के भीतर 8 ग्रामीणों की अचानक मौत से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। इन रहस्यमयी मौतों के कारण गांव के लोग इतने भयभीत हैं कि उन्होंने इस बार पारंपरिक रूप से मनाया जाने वाला होली पर्व भी नहीं मनाया। गांव में न होलिका दहन हुआ और न ही रंग-गुलाल उड़ा। लगातार हो रही मौतों की वजह से ग्रामीणों में डर और चिंता बनी हुई है। इसी भय के कारण गांव के लोगों ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर संकट टालने की प्रार्थना की।

गांव में लगातार हो रही मौतों से चिंतित ग्रामीणों ने गांव के सभी कामकाज बंद रखे और पूरे विधि-विधान के साथ ग्राम के देवालय में विशेष पूजा-अर्चना की। ग्रामीणों ने एकजुट होकर गांव के प्रमुख चौक-चौराहों पर शोभायात्रा निकाली और विभिन्न मंदिरों में पूजा-पाठ किया। पूजा के दौरान महिलाएं पीली साड़ी पहनकर सिर पर मंगल कलश लिए नजर आईं, वहीं पुरुष धोती-कुर्ता पहनकर भजन-कीर्तन करते हुए गांव के शीतला मंदिर पहुंचे। यहां सभी ने मिलकर पूजा की और संकट टालने की मिन्नतें मांगीं। इसके बाद गांव के हनुमान मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। ग्रामीणों का मानना है कि गांव में अनहोनी या विपदा के समय देवी-देवताओं की पूजा करने से संकट टल जाता है। इसी परंपरा को निभाते हुए गांव के लोगों ने सामूहिक पूजा का आयोजन किया।

लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया एडवाइजरी

- स्वास्थ्य केन्द्रों में लू के मरीजों के लिए उपचार की पर्याप्त व्यवस्था
- सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओरल डिहाईड्रेशन थेरेपी कार्नर की गई है स्थापना

रायगढ़

तापमान में बढ़ोतरी को देखते हुए लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। साथ ही जिला अस्पताल से लेकर उप स्वास्थ्य केंद्र तक कि संस्थाओं को लू के प्रकरणों के उपचार के लिए अलर्ट पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। लू के प्रारंभिक प्रबंधन के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओरल डिहाईड्रेशन थेरेपी कार्नर बनाए गए हैं। उल्टी, दस्त, बुखार के प्रबंधन और उपचार के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं स्वास्थ्य केंद्रों में सुनिश्चित की गई हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अनिल कुमार जगत ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मार्च महीने में ही छ.ग. सहित अन्य राज्यों में सामान्य से अधिक तापमान में वृद्धि हो रही है। इसमें 'लू' लगने की संभावना भी अधिक होती है। स्वास्थ्य अधिकारी ने लोगों को लू से बचाव के लिए सतर्कता बरतने एवं प्रारंभिक उपचार के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि घर पर भी प्रारंभिक उपचार की जा सकती है, जैसे तेज बुखार आने पर सिर में ठंडे पानी की पट्टी लगाएं, पानी व तरल पदार्थ अधिक लें, फिर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। लू के मरीजों के लिए उपचार की पर्याप्त व्यवस्था है। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओरल डिहाईड्रेशन थेरेपी कार्नर की स्थापना की गई है।

लू के लक्षण

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जगत ने बताया कि तेज धूप के कारण लू की आशंका ज्यादा हो जाती है, लू के कारण अगर शरीर का तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाये तो कभी-कभी ये जानलेवा भी हो सकती है। उन्होंने लू के लक्षण के बारे में बताया कि तेज बुखार, चक्कर आना, सिरदर्द एवं भारीपन, उल्टी आना, मुंह सूखना, शरीर में पसीना न आना, भूख कम लगना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, पेशाब कम एवं पीला आना आदि लू के प्रारंभिक लक्षण होते हैं।

बचाव के उपाय-

स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि लू के लक्षण, बचाव व उपचार की जानकारी रहने से एवं सावधानी रखने से काफी हद तक लू के चपेट से बचा जा सकता है। लू लगने का प्रमुख कारण तेज धूप व शरीर में पानी की कमी है। सामान्यत: दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप तेज होती है इस दौरान संभव हो सके तो धूप में जाने से बचे। धूप में जाना आवश्यक हो तो सिर और कानों को कॉटन (सूती) के कपड़े से अच्छी तरह ढंक लें और पानी अधिक मात्रा में पियें। खाने में फल, जूस, दही एवं अन्य तरल पदार्थों को अधिक से अधिक मात्रा में शामिल करें।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480